ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor: Dorothy S. Thomas

Vol. XXVI | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, MARCH 2021 | No. 5

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
भजनसंहिता ४५:१-१०

१ मेरा हृदय एक सुन्दर विषय की उमंग से उमण्ड रहा है, जो बात मैंने राजा के विषय रची है उसको सुनाता हूं; मेरी जीभ निपुण लेखक की लेखनी बनी है।

२ तू मनुष्य की सन्तानों में परम सुन्दर है; तेरे ओठों में अनुग्रह भरा हुआ है; इसलिये परमेष्वर ने तुझे सदा के लिये आशीष दी है।

३ हे वीर, तू अपनी तलवार को जो तेरा विभव और प्रताप है अपनी कटि पर बान्ध!

४ सत्यता, नम्रता और धर्म के निमित्त अपने ऐष्वर्य और प्रताप पर सफलता से सवार हो; तेरा दहिना हाथ तुझे भयानक काम सिखलाए!

५ तेरे तीर तो तेज हैं, तेरे सामने देश देश के लोग गिरेंगे; राजा के शत्रुओं के हृदय उन से छिदेंगे।

६ हे पमरेश्वर, तेरा सिंहासन सदा सर्वदा बना रहेगा; तेरा राजदण्ड न्याय का है।

७ तू ने धर्म से प्रीति और दुष्टता से बैर रखा है। इस कारण परमेश्वर ने हां तेरे परमेश्वर ने तुझ को तेरे साथियों से अधिक हर्ष के तेल से अभिषेक किया है।

८ तेरे सारे वस्त्र, गन्धरस, अगर, और तेज से सुगन्धित हैं, तू हाथीदांत के मन्दिरों में तारवाले बाजों के कारण आनन्दित हुआ है।

९ तेरी प्रतिष्ठित स्त्रियों में राजकुमारियां भी हैं; तेरी दहिनी ओर पटरानी, ओपीर के कुन्दन से विभूषित खड़ी है।

१० हे राजकुमारी सुन, और कान लगाकर ध्यान दे; अपने लोगों और अपने पिता के घर को भूल जा।

क्योंकि परमेश्वर का राज्य निकट है

पश्चाताप का क्या हुआ आप शायद ही इस शब्द का अधिकांश कलीसिया में आज जिक्र होते हुए सुनते हैं - बैप्टिस्ट, पेंटिकोस्टल, इवेन्जिलिकल दायरों में। इन दिनों में पासबान शायद ही अपनी मंडलियों को उनके पापों के लिए पश्चाताप करने, विलाप करने और दुख मनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

उसके बजाय आज हम पुलपिट पर से जो संदेश सुनते हैं वह है, केवल विश्वास करो। मसीह को स्वीकार करो, और तुम उद्धार पाओगे। इस संदेश का समर्थन करने हेतु जो पाठ लिया गया है वह है प्रे काम १६:२५-३०।

इस अनुच्छेद में, जब प्रेरित पौलुस को बंदीगृह में डाला गया था तब अचानक धरती कांप उठी और जेल खाने के दरवाजे खुल गए। बंदिगृह के अधिकारी ने तुरंत सोचा कि सारे कैदी भाग गए होंगे, जिसका मतलब यह था कि उसे मौत की सजा होगी। यह देख कर उसने अपनी तलवार निकाली, और वह अपने आप को मारने ही वाला था। यह देखकर पौलुस और सिलास ने उसे रोका, यह कहते हुए कि सब वहीं हैं।

यह देखकर वह व्यक्ति प्रेरितों के चरणों पर गिर पड़ा और पुकारने लगा, "और उन्हें बाहर लाकर कहा, हे साहिबो, उद्धार पाने के लिए मैं क्या करूं? उन्होंने कहा, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा" (प्रे. काम १६:३०-३१)।

जब हम यहां अनुच्छेद पढ़ते हैं तब हमें यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि बंदीगृह का अधिकारी आत्महत्या करने पर था, उसने अपने हाथ में तलवार निकाली थी। वह पहले ही पश्चातापी हो चुका था - प्रेरितों के सामने अपने घुटनों पर आ गया, टूट और कांप उठा। इस तरह उसका हृदय सचमुच विश्वास के साथ यीशु को ग्रहण करने के लिए तैयार था।

मरकुस के सुसमाचारमें, मसीह अपने चेलों से कहता है, "जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परंतु जो विश्वास ने करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा।" (मरकुस १६:१६)। यीशु यहां पर जो कहता है उससे यह स्पष्ट है कि उद्धार केवल उसे ग्रहण करने में और बपतिस्मा लेने में है।

हालांकि यीशु इस वचन के साथ अपने बयान की प्रस्तावना देता है : ""**तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को**

...क्रमशः पृष्ठ ४...

बुलावे की प्रतिध्वनि

1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR

बुलावे की प्रतिध्वनि - २०१९ गोल्डन जुबिली साल

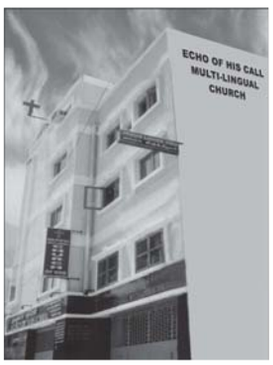

"मत डर, क्योंकि मैं तेरे साथ हूं;" (यशायाह ४३:५)।

from Editors...

प्रभु में प्रिय भाई और बहन,

आपको प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के मधुर नाम में बहुत सा प्यार।

हम आशा करते हैं कि इन अनिश्चितता के दिनों में हमारे प्रभु यीशु मसीह की सुरक्षा का आनंद ले रहे हैं। हम आपके लिए लगातार प्रार्थना करते हैं।

हाल ही में कोविड-१९ के हमले के बाद, विश्व की सारी प्रणालियां चरमरा गई। सामान्य लोगों की आत्मिक प्रणाली भी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। लोग और अधिक स्वार्थी, लोभी और अनात्मिक हो गए हैं, और जीवन की सुरक्षा के कारण अत्यंत भय में जी रहे हैं। जब से करोना संक्रमण ने कईयों के जीवनों को प्रभावित किया, तब से लोगों को लगने लगा है कि संपूर्ण विश्व की पूरी प्रणाली को नियंत्रण करने वाली कोई श्रेष्ठ शक्ति नहीं है।

इसलिए प्रभु यीशु मसीह के बच्चों के लिए यह सही समय है कि वे संसार के लोगों के लिए प्रार्थना करें ताकि वह यीशु मसीह को प्रभु परमेश्वर के रूप में जान सकें। यह हमारी सच्ची इच्छा और प्रार्थना होना चाहिए कि पूरा सुसमाचार संसार के लोगों के, मानव जाति के जीवनों में वास्तविकता बन जाए। कलीसिया समग्र सुसमाचार को सारे संसार में लेकर जाए। पौलुस रोमियो १५:१९ में घोषित करता है, **"...यहां तक कि मैंने यरूशलेम से लेकर चारों ओर इल्लुरिकुम तक मसीह के सुसमाचार का पूरा पूरा प्रचार किया।"** और दो कुरिन्थियों ७:१ **"इसलिए हे प्यारो, जबकि ये प्रतिज्ञाएं हमें मिली हैं, तो आओ, हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सब मलिनता से शुद्ध करें, और परमेष्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें"**

इस बात पर ध्यान देते हुए हमारी सेवाएं लोगों के विशिष्ट समूह पर या असिद्ध रूप से सुसमाचार का प्रचार करने पर केंद्रित न हों। पूरा सुसमाचार यह है, पूरा पश्चाताप, मरे हुए कामों से पश्चाताप, परमेश्वर के प्रति विश्वास, बपतिस्मा के सिद्धांत, हाथों को रखना, मरे हुए का पुनरुत्थान, और अनंत न्याय के विषय में प्रचार। इब्रानियों ६:१,२ **"इसलिए आओ, मसीह की षिक्षा की आरम्भ की बातों को छोड़कर, हम सिद्धता की ओर आगे बढ़ते जाएं, और मरे हुए कामों से मन फिराने, और परमेश्वर पर विश्वास करने, और बपतिस्मों और हाथ रखने, और मरे हुओं के जी उठने, और अन्तिम न्याय की शिक्षारूपी नेव, फिर से न डालें।"**

हमें उन लाखों लोगों के लिए बोझ है जिन्होंने अब तक जीवित उद्धारकर्ता यीशु मसीह का नाम नहीं सुना है, और उनके उद्धार के लिए हमें बोझ है। इन दिनों प्रभु परमेश्वर हमें बोझ दे रहा है कि सारे संसार के लोगों के प्रति उसके अंतिम न्याय की भयानकता और इस पूरे संसार में मसीह रहित जीवन के परिणामों को जाने।

इन बातों को ध्यान में रखते हुए, हम अनंत कालिक पहलुओं के लिए परिश्रम करते हैं, क्योंकि विशेष रूप से प्रभु यीशु मसीह के विश्वासी कहलाए जाने वाले लोग इस नाशवान संसार के लोगों के अनंत जीवन को कोई

CHIEF EDITORS
Pastor S. Sam Selva Raj
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manger

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paul Raj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.

HEAD OFFICE CO-ORDINATORS
Bro. John Rodrigues
Sis. E. Daisy Rani

ADVISORY BOARD
Adv. Jose Abraham
Adv. N. Balaji, B.Com., B.L.
Dr. S. Rabinder Boaz, M.S.
Er. C.G.S. Babu Rao, B.Tech., M.Tech (DM)
Aud. K. Puratchivendan, M.Com., B.L.

PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in
Websites :
www.echoofhiscall.org
www.echoofhiscall.com

महत्व नहीं दे रहे हैं। परमेश्वर के लोगों के लिए परमेश्वर के आने वाले न्याय के विषय में सोचते हुए, बड़ी प्रतिकूल शक्तियों के बावजूद, हम इस संसार के सारे लोगों को सुसमाचार प्रचार करने की किस कर रहे हैं।

इस परिस्थिति के कारण जिन लोगों को सहायता करने के लिए बुलाया गया है वे एको ऑफ हिज कॉल जैसी सच्ची सेवकाइयों अपनी जिम्मेदारी खो रहे हैं और सहायता करने से दूर हो रहे हैं, इस कारण एक और तो हम कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं और दूसरी ओर अवर्णनीय विश्व प्रणालियों और प्रशासन ओं के दबाव को सह रहे हैं। सारी बातों का यहां उल्लेख नहीं कर सकते।

इसलिए हमारे प्रिय मित्रों, इन कठिन समय ओं के दौरान, हमें आपके प्रार्थना और सहायता की जरूरत है।अंत में हमारे लिए प्रार्थना कीजिए।

मसीह में आपका सेवक,
एस. सॅम सिल्वा राज

आवश्यकता है

हमें नहेमायाह बाइबल कॉलेज, चेन्नई में वॉर्डन के पद को संभालने के लिए हिंदी भाषी ईश्वरविज्ञानी (थियोलॉजियन) की आवश्यकता है।
वेतन, निवास और भोजन दिया जाएगा कृपया संपर्क करें :
Pr. Sam Selva Raj, Cell : 98412 71858 / 98410 71858
E.mail : sam@echoofhiscall.org

...पृष्ठ १ से आगे...

सुसमाचार प्रचार करो।" (मरकुस १६:१५)। सारांश रूप में वह कह रहा है कि इससे पहले कि लोग उसमें विश्वास करें, उन्हें सुसमाचार सुनाया जाए। और यीशु किस सुसमाचार का उल्लेख करता है? यह वही सुसमाचार है जिसका स्वयं यीशु ने प्रचार किया - पश्चाताप का सुसमाचार!

इस विषय में विचार करें - जंगल की परीक्षा से बाहर निकलने के बाद, यीशु ने पहला संदेश क्या दिया? पवित्र शास्त्र कहता है, "उस समय से यीशु ने प्रचार करना और यह कहना आरम्भ किया कि मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है" (मत्ती ४:१७)।

लोगों को विश्वास करने के लिए बुलाहट देने से पहले यीशु ने उन्हे पश्चाताप की बुलाहट दी! मरकुस लिखता है, और कहता है, "यीशु गलील में आकर परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार करने लगा। उसने कहा, "समय पूरा हुआ है, और परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है; मन फिराओ और सुसमाचार पर विश्वास करो" (मरकुस १:१४-१५)। मसीह ने प्रचार किया, पहले पश्चाताप करो और - उसके बाद विश्वास करो। ईश्वर कहीं अपने मिशन के बारे में कहता है, "इसलिए तुम जाकर इसका अर्थ सीख लो कि मैं बलिदान नहीं, परन्तु दया चाहता हूं; क्योंकि मैं धर्मियों को नहीं, परन्तु पापियों को बुलाने आया हूं" (मत्ती ९:१३)। और उसने गलीलियों से कहा, "मैं तुमसे कहता हूं कि नहीं! परन्तु यदि तुम मन न फिराओगे, तो तुम सब भी इसी रीति से नाश होंगे" (लूका १३:३)।

यीशु का सुसमाचार पश्चाताप के विषय में था!

इस्राएल को यीशु के आगमन के लिए तैयार करने हेतु, यूहन्ना बपतिस्मा करने वाले ने भी पश्चाताप का प्रचार किया।

यहूदियों के लिए यूहन्ना का संदेश सरल और स्पष्ट था : "उन दिनों में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आकर यहूदिया के जंगल में यह प्रचार करने लगा, "मन फिराओ; क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है" (मत्ती ३:१-२)। हर स्थान से लोग यूहन्ना को सुनने के लिए आए। और उसने उन्हें स्पष्ट शब्दों में कहा : मसीह जल्द ही तुम्हारे मध्य प्रकट होगा - इसलिए उससे मुलाकात करने के लिए तैयार रहो! आप उत्साहित महसूस कर सकते हैं कि वह आ रहा है। लेकिन मैं तुमसे कहता हूं, तुम्हारे हृदय तैयार नहीं हैं - क्योंकि तुमने अभी अपने पापों को थाम रखा है! तुम बाहर से शुद्ध और पवित्र दिखाई देते हों। परंतु अंदर से मृत मनुष्यों की हड्डियों से भरे हो! तुम करैतो और सांपों की संतान हों और तुममें परमेश्वर का भय बिल्कुल नहीं। फिर भी तुम्हें यह कल्पना नहीं है कि तुम पापी हो। मैं तुम्हें चेतावनी देता हूं - उद्धारकर्ता पर विश्वास करने और उसके पीछे चलने से पहले तुम्हें अपने पापों का सामना करना होगा।

इसलिए पश्चाताप कर, अपने पापों से मन फिराओ - ऐसा जीवन बिताओ जिसमें सच्चा परिवर्तन दिखाई देता है। पिन्तेकुस्त के दिन पतरस ने लोगों को कौन से समाचार का प्रचार किया? बाइबल हमें बताती है कि जब लोगों ने प्रेरितों के द्वारा गवाही सुनी, "तब सुननेवालों के हृदय छिद गए, और वे पतरस और शेष प्रेरितों से पूछने लगे, "हे भाइयो, हम क्या करें?" पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ, और तुममें से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।" (प्रे. काम २:३७-३८)।

पतरस ने इन लोगों से यह नहीं कहा कि वह मात्र विश्वास करें और उद्धार प्राप्त करें। उसने उनसे यह नहीं कहा कि वे मात्र एक निर्णय लें, यीशु के लिए अपना मत दें। नहीं - उसने उन्हें पहले पश्चाताप करने और उसके बाद क्या-क्या मानते हुए बपतिस्मा लेने के लिए कहा! पर उसने मार्स की पहाड़ी पर एथेनियन लोगों को कौन से सुसमाचार का प्रचार किया? उसने उन्हें सीधे सीधे तौर पर कहा, ""इसलिए परमेश्वर अज्ञानता के समयों से आनाकानी करके, अब हर जगह सब मनुष्यों को मन फिराने की आज्ञा देता है" (प्रे. काम १७:३०)।

इन ग्रीक बुद्धिजीवियों को परमेश्वर में विश्वास करने से कोई परेशानी नहीं थी। वस्तुतः आप यह कह सकते हैं कि उनका

मनोरंजन ही विश्वास करना था। वे कई देवताओं में विश्वास करते थे - पहले यह और फिर दूसरा। जब भी कोई आग्रह करते हुए अपने देवता का प्रचार करता हुआ आता तब वे उसमें विश्वास करते थे - परंतु वे अपने पापों में जी रहे थे। साधारण विश्वास पर्याप्त नहीं था।

पौलुस ने इन पुरुषों से कहा, "नहीं, नहीं वह मसीह नहीं है! तुम मसीह को तुम्हारे देवताओं की सूची के साथ जोड़ नहीं सकते। तुम उन शब्दों में विश्वास कर सकते हो, परंतु आप यीशु के साथ य नहीं कर सकते। वह तुम्हें पापों से बचाने के लिए आया। और वह अपने सारे अनुयायियों को आज्ञा देता है कि वह पश्चाताप करे और शुद्ध हो जाए! बाद में पौलुस ने पश्चाताप का यही सुसमाचार राजा अग्रिप्पा को भी प्रचार किया, "इसलिए हे राजा अग्रिप्पा, मैंने उस स्वर्गीय दर्शन की बात न टाली। परन्तु पहले दमिष्क के, फिर यरूशलेम के रहने वालों को, तब यहूदिया के सारे देश में और अन्यजातियों को समझाता रहा, कि मन फिराओ और परमेश्वर की ओर फिर कर मन फिराव के योग्य काम करो" (प्रे. काम २६-१९-२०)।

पौलुस कह रहा है, जहां कहीं मैं गया हूं मैंने पश्चाताप का प्रचार किया है। सच्चा पश्चाताप कामों से अपने आप को सिद्ध करता है! ये अनुच्छेद हमारे लिए यह स्पष्ट करते हैं कि प्रेरितों की कलीसिया भी अथक रूप से वही प्रचार कर रही थी जिसका यूहन्ना और यीशु ने प्रचार किया था : अपने पापों की मुक्ति के लिए पश्चाताप करो!।

पश्चाताप करने का क्या अर्थ है?

कुछ मसीही विश्वास करते है। कि पश्चाताप का अर्थ केवल 'फिर जाना' और विपरीत दिशा में जाना है। परंतु बाइबल हमें बताती है कि पश्चाताप इससे बहुत अधिक है। मैंने एक बार एक व्यक्ति को यह कहते सुना कि, "मुझे खुशी है कि मैं नए नियम की ग्रीक भाषा जानता हूं।" वह 'पश्चाताप' का अनुवाद 'अपने मन को बदलना।'

नहीं - यह मनुष्य उसकी ग्रीक नहीं जानता! नए नियम में 'पश्चाताप' शब्द का पूर्ण, शाब्दिक अर्थ है 'परमेश्वर के विरोध में अपने पापों के लिए पछतावा और आत्म-निंदा महसूस करना; खेदित होना, दुखी होना, दिशा बदलने की इच्छा होना।' यहां पर अर्थ में फर्क "चाहना" इस शब्द पर निर्भर है। सच्चे पश्चाताप में बदलाव लाने की इच्छा होती है! इसके अतिरिक्त, केवल खेदित होना पश्चाताप करना नहीं होता। बल्कि, सच्चा दुख पश्चाताप की ओर ले जाता है। पौलुस कहता है, "क्योंकि परमेश्वर-भक्ति का शोक ऐसा पश्चाताप उत्पन्न करता है, जिसका परिणाम उद्धार है और फिर उससे पछताना नहीं पड़ता; परन्तु संसारी शोक मृत्यु उत्पन्न करता है" (२ कुरिं. ७:१०)।

पौलुस यहां पर उस दुख के बारे में बोल रहा है जिसमें कोई पछतावा नहीं है - जो सच्चा है, जो पश्चाताप करने वाले व्यक्ति के जीवन में बना रहता है। इस प्रकार ईश्वरीय दुख स्वाभाविक तौर पर ऐसे पश्चाताप को उत्पन्न करता है जिसमें पाप के लिए नफरत, परमेश्वर के लिए भक्तिपूर्ण भय और सारी गलतियों को सुधारने की इच्छा होती है। इसमें हमें कोई आश्चर्य नहीं है कि पौलुस ने विश्वासियों को पश्चाताप का प्रचार किया। उसने कुरिन्थुस के मसीहियों को पश्चाताप का गम्भीर संदेश दिया। कुरिन्थुस के विश्वासी परमेश्वर के द्वारा बहुतायत से आशीष प्राप्त थे, उन्होंने वचन के सामर्थी शिक्षकों से शिक्षा पाई थी। फिर भी उनकी मण्डलियों में पाप था।

पहले पौलुस कुरिन्थुस के विश्वासियों की गवाही देता है। "प्रेरित के लक्षण भी तुम्हारे बीच सब प्रकार के धीरज सहित चिन्हों, और अद्‌भुत कामों, और सामर्थ के कामों से दिखाए गए" (२ कुरिं. १२:१२)। लेकिन पौलुस उन्हें स्पष्ट रूप से कहता है : "क्योंकि मुझें डर है, कहीं ऐसा न हो कि मैं आकर जैसे चाहता हूं, वैसे तुम्हें न पाऊं; और मुझे भी जैसे तुम नहीं चाहते वैसा ही पाओ, कि तुममें झगड़ा, डाह, क्रोध, विरोध, ईर्ष्या, चुगली, अभिमान और बखेड़े हों" (२ कुरिं. १२:२०)। पौलुस को किस बात का डर था केवल यह : "और मेरा परमेश्वर कहीं मेरे फिर से तुम्हारे यहां आने पर मुझ पर दबाव डाले और मुझे बहुतों के लिए फिर शोक करना पड़े, जिन्होंने पहले पाप किया था, और उस गन्दे काम, और व्यभिचार, और लुचपन से, जो उन्होंने किया, मन नहीं फिराया" (२ कुरिं. १२:२१)।

यह कोमल हृदय चरवाहा कुरिन्थुस के समझौता करने वाले पवित्र जनों से प्रेम करता था। फिर भी वह जानता है कि उन्हें अच्छी तरह से सिखाया गया है कि गम्भीर पाप की जीवनशैली गलत है और उसने उन्हें बताया, "जब मैं तुमसे भेंट करने आऊंगा, तब तुम देखोगे कि मैंने दुख के कारण अपना सिर नीचे झुकाया है। मेरी आंखों से आंसू बहेंगे, और मेरी वाणी दुख से आक्रोश करेंगी। यदि मैं तुम्हें अशुद्धता, व्यभिचार और वासना में लिप्त देखता हूं, तो मेरा दिल टूट जाएगा - क्योंकि सुसमाचार ने तुम्हारे हृदय में कार्य नहीं किया है। तुमने अपने पाप से पश्चाताप नहीं किया है। और मैं तुमसे कहूंगा तुम ऊंचे स्वरों में पश्चाताप करो!"

Statement about ownership and other particulars about the Newspaper Echo of His Call (Hindi) - Form IV
(See Rule 8)

1. Place of Publication	:	**18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai - 600 005**
2. Periodicity	:	**Monthly**
3. Printer, Editor, Owner & Publisher	:	**S. Sam Selva Raj** (Same Address)
4. Nationality	:	**Indian**

I **S. Sam Selva Raj**, hereby that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

March 2021 **S. Sam Selva Raj.**

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों ६:२), ❋ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ❋ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ मार्च २०२१ से १८ अप्रैल २०२१ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

मार्च १६ पिछले माह हमारे मुख्य गिरजाघर में आयोजित सेवकाई से संबंधित गतिविधियों को परमेश्वर ने आशीषित किया है।

मार्च २० : परमेश्वर ने हाल ही में हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** प्रकाशन में मणिपुरी भाषा शामिल करके हमें आशीषित किया।

मार्च २१ : हमारे **बाइबल कोर** और ईश्वर विज्ञान संबंधी पत्राचार पाठ्यक्रमों को परमेश्वर ने आशीष दी इसलिए उसकी स्तुति करें।

मार्च २२ : परमेश्वर ने पिछले माह हमारे **एको ऑफ हिज कॉल** सेवाओं को आशीषित किया।

मार्च २३ : हम अपने प्रार्थना सहभागियों शुल्क सहभागियों विश्वास के सहभागियों आजीवन प्रतिभागियों, महान आदेश प्रतिभागियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए प्रभु की स्तुति करते हैं।

मार्च २४ : परमेश्वर की स्तुति करें कि उसने हमारी कलीसिया में नए विश्वासियों को अभिषेक देकर आशीषित किया।

मार्च २५ : परमेश्वर की स्तुति हो कि उसने हमें राज्य समन्वयक और उनके परिवारों की आशीष दी।

मार्च २६ : हम परमेश्वर की स्तुति करते हैं कि हमारी सेवकाई से संबंधित यात्रा को उसने आशीषित किया।

मार्च २७ : हमारे सहायक संपादकों और उनके परिवारों के लाभ के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

मार्च २८ : परमेश्वर ने १६ भाषाओं में प्रकाशित हमारे सुसमाचार साहित्य को आशिषित किया जो हमारे छापखाने में छपकर मिशन क्षेत्रों में भेजे जा रहे हैं।

मार्च २६ : परमेश्वर ने सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल की ऑनलाइन कक्षाओं को आशीषित किया।

मार्च ३० : हम परमेश्वर की बहुतायत से स्तुति करते हैं कि उसने हमारे सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल के अध्यापकों और कर्मचारियों को आशीषित किया।

मार्च ३१ सन २०२० कोविड-१६ के मध्य हमारी उपजीविका को सुरक्षित रखने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

अप्रैल १ : परमेश्वर ने कोविड-१६ के दौरान पिछले माह **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** के सारे क्रियाकलापों को आशीषित किया।

अप्रैल २ : परमेश्वर की स्तुति करें कि हमारे मुख्य गिरजाघर की आराधना सभाएं फिर से नियमित रूप से आयोजित की जा रही है।

अप्रैल ३ : हमारा प्रभु हमारे वरिष्ठ पासबान एस. सैम सिल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों की सारी बुरी शक्तियों से रक्षा कर रहा है।

प्रार्थना विषय

अप्रैल ४ : हम परमेश्वर से प्रार्थना करें कि सन २०२० में हमने जिन मित्रों और विश्वासियों से भेंट की उन्हें परमेश्वर आशीषित करे।

अप्रैल ५ : सुसमाचार छापखाने को आशीषित करने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

अप्रैल ६ : सभी धर्मों के अनुयायियों के मध्य एकता के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैल ७ : सारे राष्ट्रों के मध्य खराई के लिए आग्रह के साथ प्रार्थना करें।

अप्रैल ८ : परमेश्वर के पास नम्रता से प्रार्थना करें कि नशीली दवाओं का सेवन करने वाले सारे लोग उससे छुटकारा प्राप्त करें।

अप्रैल ६ : हम मणिपुरी भाषा के सहायक संपादक रेव्ह. डॉ. ऋषिकांत सोरोखैबम के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैल १० : हम अपने अंग्रेजी सहायक संपादक भाई पॉल राज की पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करना जारी रखें।

अप्रैल ११ : संसार से कोरोना संक्रमण जल्द ही दूर हो जाए इसलिए प्रार्थना करें।

अप्रैल १२ : हमारी संस्था के सारे कर्मचारी और उनके परिवारों के लाभ के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

अप्रैल १३ इस वर्ष के खर्च के लिए और उस पर परमेश्वर के हाथ के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैल १४ : हमारे उत्तर भारत के मिशनरियों के लिए और उनके लाभ के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैल १५ : हमारे सुसमाचार छापखाने को सुरक्षित और उत्तम स्थिति में रखने के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैल १६ : प्रार्थना करें कि सारे मिशनरी और विश्वासी सेवकाई में एकता के साथ खड़े रहे।

अप्रैल १७ : हर तरह से और हर प्रमाण में हमारी सेवकाईयों के विस्तार के लिए प्रार्थना करें।

अप्रैर्ल १८ : हमारे वरिष्ठ पासवान एस सैम सेल्वाराज और उनके परिवार के सदस्यों को सारी बुरी शक्तियों से सुरक्षा मिलने और उनके सुरक्षित जीवन के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

...पृष्ठ ४ से आगे...

पौलुस के ये शब्द मुझे लज्जित करते हैं

जब मैं पौलुस के इन वचनों को पढ़ता हूं तब मैं अपनी खुद की सेवकाई का परीक्षण करता हूं। और मुझे पूछना होता है, "क्या मैंने यीशु द्वारा प्रचार किए गए सुसमाचार के संदेश को संक्षिप्त कर दिया है? क्या मैंने अपनी बाइबल पर कैंची चला दी है और मसीह के पीछे चलने की ऊंची कीमत को हटा दिया है? क्या मैंने लोगों को यह बताकर अपने मानक को नीचे कर दिया है, 'केवल विश्वास कर और तू उद्धार पाएगा?'"

जब मैं आज कलीसिया की ओर देखता हूं तब मैं सोचता हूं : क्या हम बाइबल सुसमाचार प्रचारक बाइबल आधारित ईश्वरीय दुख पर सच्चे प्रमाण के रूप में आग्रह करते हैं? या हम पश्चाताप न पाई हुई भीड़ को झूठी शांति देते है? क्या हम उन्हें गलत तरीके से सिखाते हैं कि परमेश्वर उनसे केवल इतना चाहता है कि वे कहें, "मैं आपमें विश्वास करता हूं, यीशु"? क्या हमने पापों की सच्ची कायलियत को कम महत्वपूर्ण बनाया? क्या हमने उन लोगों को उद्धार की पेशकश की जिन्होंने वास्तव में पश्चाताप नहीं किया है - जिन्होंने अपने गुनाहों के लिए दुख नहीं मनाया है, जिन्होंने उनके पापों की अत्याधिक पापमयता को नहीं देखा, जिन्होंने विश्वास को खोजे ताकि वे उसके पीछे अपनी वासनाओं को छिपा सकें?

विभिन्न सेवकाइयों के द्वारा यीशु के पास आ रहे लोगों की संख्या के बारे में हम लगातार लोगों को बढ़ा चढ़ाकर कहते हुए सुनते हैं। मसीही लोग बताते हैं कि कई लोगों ने उस समय उद्धार पाया जब उन्होंने कैदखाने में, स्कूलों में, जनजातियों की सभाओं में प्रचार किया। वे कहते हैं, "उस स्थान में हर एक ने यीशु को अपना दिल दिया। जब मैंने प्रचार करना समाप्त किया, तब वे सब उद्धार के लिए आगे आए।"

नहीं, यह बढ़ा चढ़ाकर बोलना हुआ! अक्सर, होता यह है कि हर कोई केवल एक प्रार्थना दोहराता है। वे केवल वह प्रार्थना करते हैं जिसे उन्हें करने के लिए कहा जाता है - और उनमें से कुछ ही जो कहा जा रहा है उसे समझते हैं। उसके बाद अधिकांश लोग वापस अपने मूर्तिपूजक मार्गों में चले जाते हैं! ऐसे लोग कभी पवित्र आत्मा के गहरे कार्यन को अनुभव नही करते। परिणामस्वरूप, वे कभी पश्चाताप नहीं करते और सचमुच कभी विश्वास नहीं करते। दुख की बात यह है कि हमने उन्हें ऐसा कुछ दिया जो यीशु उन्हें नहीं देता, बिना पश्चाताप के उद्धार!

मेरा विश्वास है कि कलीसिया ने कायलियत से भावना को भी हटा दिया है। इस बारे में सोचें - आप शायद ही उन लोगों के गालों पर आंसु देखते हैं जो उद्धार पा रहे हैं, अर्थात, मैं जानता हूं कि आंसु किसी को बचा नहीं सकते। लेकिन परमेश्वर ने हम सब मनुष्यों को सच्ची भावनाओं के साथ बनाया है। और नर्क जाने वाला कोई भी पापी पवित्र आत्मा द्वारा व्याकुल किया गया है, स्वाभाविक रूप से जिस तरह से उसने प्रभु को दुखी किया है उसके लिए गहरा दुख महसूस करता है।

प्रेरित पतरस ने इस प्रकार के ईश्वरीय दुख को महसूस किया। जब उसने यीशु का इन्कार किया। अचानक उसका हृदय उस बात की याद से भर आया जो मसीह ने उसे बताई थी : "तब तुरन्त दूसरी बार मुर्ग ने बांग दी, और पतरस को वह बात जो यीषु ने उससे कही थी स्मरण आयी कि मुर्ग के दो बार बांग देने से पहले तू तीन बार मेरा इन्कार करेगा। वह इस बात को सोचकर रोने लगा" (मरकुस १४:७२)। जब पतरस को यह शब्द याद आए, तब वह भावुक हो उठा।

प्रियों, हम अपने खुद के शरीर में होकर इस प्रकार के पश्चाताप को उत्पन्न नहीं कर सकते। केवल पवित्र आत्मा हम पर प्रगट कर सकता है कि कैसे, पतरस के समान हमने भी अपने प्रेमी उद्धारकर्ता को घायल किया है। और यह प्रकाशन हमें गम्भीर दुख से भरने पाए! मैं प्यूरिटन लेखकों द्वारा लिखी गई सारी शिक्षाओं के साथ सहमत नहीं हूं, परंतु पवित्रता पर वे ज़ोर देते हैं वह मुझे पसंद है। इन धर्मी प्रचारकों ने अपने उपदेशों को "गहराई से हल चलाना" कहा है। वे मानते थे कि वे विश्वास के सच्चे बीजों को तब तक बो नहीं सकते जब तक उनके श्रोताओं के हृदयों की मिट्टी पर गहराई से हल न चलाया जाए।

इसलिए, प्यूरिटन्स यह सुनिश्चित करते थे कि उनका प्रचार उनके श्रोता के प्राणों की पड़ती भूमि की गहराई में, दरार में जाए। उनके उपदेश उनकी मण्डली में सच्चा पश्चाताप उत्पन्न करते थे, और बदले में इसके द्वारा, पिछले वर्षों में मज़बूत, परिपक्व विश्वासयोग्य मसीही उत्पन्न हुए, जैसे सुविख्यात कवि जॉन मिल्टन। परंतु आज, अधिकांश प्रचार बीज बोने के बारे में है, हल चलाने के बारे में नहीं। मैं आज बहुत कम उपदेशों को सुनता हूं जो गहराई में बीज बोते हों, वे ऊपर ही ऊपर मिट्टी में खोदते हैं। गहराई में हल चलाना केवल पाप के रोग को सम्बोधित करता नहीं है; वह रोग के कारण को जड़ तक खोद निकालता है।

अधिकांश प्रचार जो हम सुनते हैं उसमें रोग का कारण नहीं होता है। अधिकांश प्रचार जो आज हम सुनते हैं वह रोग को नज़रअंदाज

प्रेमपूर्ण निवेदन

आप सभी जानते हैं कि हमारे पास कई प्रकार की ज़रूरतें हैं जैसे कि कर्मचारियों के वेतन, कागज़ की खरीदारी का खर्च और यात्रा खर्च आदि। सामान्य तौर पर हम दूसरों को अपनी ज़रूरतों के लिए नहीं कहते। लेकिन हम उन लोगों से बिनती करते हैं जो सचमुच इस सेवकाई से प्रेम करते हैं कि वे अपने दान मनिऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, फोन पे, नेफ्ट या अन्य माध्यमों से भेजकर इस सेवकाई में हमारी सहायता कर सकते हैं। प्रभु आपको अवश्य आशीष देगा। विस्तृत जानकारी के लिए कॉल करें : + **98410 71852**

- सम्पादक, एको ऑफ हिज़ कॉल

कर उपाय बताने पर केंद्रित होता है। वह बिना शल्य के दवा देता है!

दुख की बात यह है कि हम लोगों को यह सोचने हेतु प्रेरित करते हैं कि वे उस पाप से चंगे हो गए हैं। जबकि वे नहीं जानते थे कि वे बीमार थे। हम उन पर धार्मिकता के वस्त्र डाल देते हैं जबकि वे नहीं जानते थे कि वे नग्न थे। हम उनसे आग्रह करते हैं कि वे मसीह पर भरोसा रखें जबकि वे विश्वास करने की ज़रूरत तक को नहीं जानते थे। ऐसे लोग सोचने लगते हैं, "मेरे जीवन में यीशु को जोड़ने से कुछ हानि नहीं होगी।" सामर्थी अंग्रेज प्रचारक सी.एच. स्पर्जन ने पश्चाताप की ज़रूरत के बारे में यह बात कही :

"मुझे भरोसा है कि वह दुख भरा पश्चाताप आज भी है, हालांकि मैंने उसके बारे में इन दिनों में ज्यादा नहीं सुना। इन दिनों लोग बहुत जल्द विश्वास में कूद पड़ते हैं... मुझे आशा है कि मेरा पुराना दोस्त, पश्चाताप मरा हुआ नहीं है, ऐसा प्रतीत होता है कि वह विश्वास की जुड़वा बहन है। मैं खुद सूखी आंखों वाले विश्वास के बारे में बहुत कुछ समझता हूं; मैं जानता हूं कि मैं मसीह के पास - क्रूस के पास - रोता हुआ आया... जब मैं विश्वास के द्वारा कलवरी के पास आया, तो बड़ा रोता हुआ और निवेदन करता हुआ, और अपने अपराधों को कबूल करता हुआ, और यीशु में उद्धार पाने की इच्छा रखता हुआ आया, केवल यीशु में।"

जब हमारे चर्च की स्थापना हुई, तब हम पास्टरों ने पहले कुछ वर्षों तक व्यवस्था का प्रचार किया

हमने हमारी कलीसिया में इतने लम्बे समय तक व्यवस्था का प्रचार क्यों किया? क्योंकि हमारी कलीसिया में ऐसे कई लोग थे जो अपने आपको मसीही कहते थे - लेकिन उनके जीवनों से ऐसा दिखाई नहीं देता था! उन प्रारम्भिक वर्षों में, कई लोग हर सभा के बाद वेदी के निकट आए। उन्होंने प्रार्थना दोहराई और "विश्वास से उद्धार को ग्रहण किया।" फिर भी, इन लोगों में से अधिकांश लोगों को कभी अपने पापों का अहसास नहीं हुआ। उन्होंने ईश्वरीय दुख को अनुभव नहीं किया, इसलिए उनके जीवनों में कभी सच्चा पश्चाताप दिखाई नहीं दिया।

पश्चाताप करने वाले मंच कलाकार रविवार के दिन मसीह का अंगीकार करते थे लेकिन सप्ताह के दौरान परमेश्वर की निंदा करने वाले अपने नाटक प्रस्तुत किया करते थे। समलिंगी लोग उद्धार के लिए प्रार्थना करते थे लेकिन उनकी पापमय जीवनशैली में लिप्त थे। अन्य लोगों ने वेदी के निकट यीशु को अंगीकार किया था फिर भी उनका व्यभिचारी जीवन और ड्रग्स का इस्तेमाल करना जारी था। इसलिए अपने पुलपिट से कायलियत की घोषणा की! पवित्र आत्मा ने हमारे पासबानों की अगुवाई की, वे सारे पाप, विद्रोह और वचन के प्रति अनाज्ञाकारिता को उजागर करें। हमने नर्क के बारे ऐसा प्रचार किया कि लोग उठकर सभा छोड़कर चले गए और हमने स्वर्ग को इतना वास्तविक बनाकर प्रचार किया कि समझौता करने वाले मसीह की पवित्रता की भयावह सच्चाई के सामने कांप उठे।

व्यवस्था की हमारी शिक्षा उस समय अत्यंत आवश्यक थी। यह परमेश्वर का आईना है, जो हर गुप्त, छिपी हुई बात को प्रगट करता है। और वह हमारी मण्डली में पाप की अत्यंत भयावहता का बोध ले आया। कुछ लोग तो भाग गए, अन्य लोग सच्चा पश्चाताप करते हुए आगे दौड़ते हुए आए। इनमें से एक था एक विख्यात कलाकार डेविड डेविस। उसने सच्चे पश्चाताप में सबकुछ परमेश्वर के सामने समर्पित किया। और आज, वह और उसकी पत्नी इम्माएल में एक उन्नति प्राप्त कलीसिया की अगुवाई कर रहे हैं, जहां पर उन्होंने लगभग दस वर्षों से मसीह का प्रयार किया है।

पश्चाताप का सच्चा कार्य हमारी कलीसिया में अपने उद्देश्य को पूरा कर रहा था, तब पवित्र आत्मा ने अनुग्रह की महिमा का प्रचार करने हेतु हमें प्रोत्साहित किया। हमने नई वाचा पर, पवित्र आत्मा के द्वारा पाप पर सामर्थ, विश्वास से चलने के बारे में प्रचार किया। संक्षिप्त में, हमने पवित्रजनों की उन्नति करना आरम्भ किया। उस सारे अनुभव के द्वारा, हमें यह भी पता चला कि केवल व्यवस्था पर प्रचार करने और पाप पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करने के खतरे क्या हैं। केवल यदि लोगों को केवल इसी संदेश का आहार लगातार दिया जाता है, तो वे आशा खो बैठते हैं और निराशा के साथ यह सोचने लगते हैं, "मैं कभी परमेश्वर के मानक पर खरा नहीं उतर पाऊंगा।" वे लगातार अपनी आशा के लिए क्रूस की ओर देखने के बजाए निराश होने लगते हैं।

फिर भी जब कलीसिया प्रभु की है, तो वह आवश्यकता पड़ने पर व्यवस्था का संदेश लाने हेतु परमेश्वर के आत्मा पर भरोसा रख सकती है। यदि यीशु अपने लोगों को "आसान विश्वास में" बढ़ते हुए देखता है, तो वह फिर एक बार दया और अनुग्रह के साथ उन पर अपनी लाठी चलाएगा। आप देखें कि पश्चाताप यह मात्र एक क्षण का अनुभव नहीं है और फिर उसके बाद बाकी जीवन भर केवल उसकी चर्चा करना। पाप के लिए दुख का न होना हमारे लिए निरंतर शिक्षक होना चाहिए।

स्पर्जन ने गवाही दी, "मैं स्वतंत्रतापूर्वक यह कबूल करता हूं कि तीस साल पहले जब मैं उद्धारकर्ता के निकट आया तब मेरे मन में पाप के लिए ज्यादा दुख है। जब मैं कायल हुआ था उस समय से ज्यादा प्रबलता के साथ मैं आज पाप से नफरत करता हूं। कुछ बातें थीं जिन्हें मैं उस समय पाप के रूप में नहीं जानता था, परंतु आज जानता हूं। मसीह के निकट जब मैं पहली बार आया था उसकी तुलना में आज मुझे अपने हृदय की दुष्टता का अधिक बोध है।" पाप के लिए दुख एक लगातार वर्षा है, एक मधुर, सौम्य बौछार, जो सच्चा उद्धार पाए हुए मनुष्य के साथ उसका सारा जीवन रहता है। वह आजीवन दुखी रहता है कि उसने पाप किया है। जब तक पाप चला नहीं जाता तब तक वह पाप के लिए दुख मनाना नहीं छोड़ेगा।"

यीशु ने इफिसुस की कलीसिया से ऐसा कुछ कहा जिससे मैं कांप उठा

आपको वे सात कलीसियाएं याद होंगी जिनका उल्लेख यूहन्ना प्रकाशितवाक्य २ में करता है। उनमें इफिसुस की कलीसिया ऐसी मण्डली है जिसकी यीशु मसीह प्रशंसा करता है। मुझे अपनी कलीसिया के बारे में इफिसुस की कलीसिया के रूप में सोचना अच्छा लगता है। विश्वासियों की मण्डली में विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाले नगरों में परिश्रम किया, भयानक दुष्टता के मध्य भी वे निराश नहीं हुए। लोगों ने त्यागपूर्ण जीवन बिताया, पाप से नफरत की और झूठी शिक्षा को स्वीकार करने से इन्कार किया। वे विश्वास में दृढ़ बने रहे, उन्होंने परमेश्वर से अपने सम्पूर्ण हृदय से प्रेम किया, फिर शैतान ने उनके जीवन में चाहे जो समस्या लाई हो।

फिर भी मसीह जानता है कि इन लोगों में किसी बात की कमी है। और उसने इस कलीसिया से इतना प्रेम किया कि वह राष्ट्रों के लिए एक उज्वल दीपक था। वह बैठकर उसे बुझने नहीं देना चाहता था। इसलिए उसने इफिसुस की कलीसिया से कहा, "परंतु मुझे तेरे विरूध्द यह कहना है कि तू ने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया है" (प्रकाशितवाक्य २:४)। यीशु कह रहा था, "तुम्हारी आग बुझ रही है! मेरे प्रति जिस प्रेम ने तुम्हारे विश्वासयोग्यता को प्रेरित किया था वह कमजोर हो रहा है। एक समय तुम्हारे हृदय में खोए हुओं के लिए मेरा बोझ था - परंतु अब तुम बैठकर मात्र संदेश सुनने में संतुष्ट हो। तुम पूर्ण रूप से अपनी चिंताओं में खो गए हो, और तुम मेरी बातों की उपेक्षा कर रहे हो। जहां तुम पहले खड़े थे वहां से तुम गिर चुके हो।

फिर यीशु उनसे कहता है, "इसलिए चेत कर कि तू कहां से गिरा है..." (वचन ५)। वह कहता है, "फिर से सोच! मेरे घर आने की, मेरे पवित्रजनों के साथ संगति करने की, मेरे बोझ को उठाने की तुझमें लालसा था। परंतु अब रविवार की सुबह का एक घण्टा तुझे बहुत ज्यादा लगता है! इसलिए, प्रिय मसीहियों क्या आज आपके हृदय में यीशु के लिए आग है? क्या आप उससे उतनी ही गहराई से प्रेम करते हो जैसे आप उस समय करते थे जब आपका पहले उद्धार हुआ था? क्या आप उसकी बातों में दिलचस्पी खो बैठे हैं, और क्या आपने सारी सेवकाई त्याग दी है? क्या आपके जीवन में और भी कई बातें चल रही हैं? यदि ऐसा है, तो प्रभु आपसे कहता है, "परंतु मुझे तेरे विरूध्द यह कहना है कि तू ने अपना पहला सा प्रेम छोड़ दिया है।"

इस समय यीशु हमसे क्या कहता है सुनें : "मन फिरा और पहले के समान काम कर. ..।" वह कहता है, "अपनी बढ़ती हुई उदासीनता पर विलाप कर। खेदित हो - उस बात पर गम्भीरता के साथ सोच तब तेरा दुख तुझे वापस वहां ले जाएगा जहां तू मुझसे प्रेम करता था!" उसके बाद मसीह एक वचन देता है जो हमें बताता है कि हमें ध्यान देने की जरूरत है। वह कहता है, "और यदि तू..." वह तुरंत परिणाम बताता है : "तो मैं तेरे पास आकर तेरी दीवट को उस स्थान से हटा दूंगा" (प्रकाशितवाक्य २:५)।

यहां पर यीशु कह रहा है कि यदि हम पश्चाताप न करें, तो वह आकर सारे आत्मिक अधिकार को जो हमें दिए गए हैं हटा देगा। इसमें हमारे शहर पर, हमारे समाज, हमारे पड़ोस पर, जो हमारे प्रभाव के क्षेत्र में हैं उन पर हमारा प्रभाव शामिल है। हमारा जो प्रभाव है उसमें से हर एक अंश ले लिया जाएगा। वह कहता है, "यदि तू मन न फिराए तो!" इसी समय, विश्व भर की कलीसिया अपने दरवाजे बंद कर रही हैं। उनके दीपक बुझ गए हैं क्योंकि यह दण्ड उन पर आया क्योंकि उन्होंने पश्चाताप करने से इन्कार किया! परमेश्वर ने कहा कि वे अपना विवेक, उनकी आत्मिक आशीष, उनका पैसा और उनके जीवन में प्रभु की उपस्थिति खो बैठेंगे। अब वे मरे हुए बेजान हैं, उनके पास केवल पिछली आशीषों की यादें हैं।

मैंने तीस साल पहले ऐसी कई कलीसियाओं में प्रयार किया। उस समय वे उत्साह से भरे हुए विश्वासी थे। आज उनकी बेंचों पर शायद ही दर्जन भर लोग बैठते हैं। जल्द ही वे भी चले जाएंगे और उनके दरवाजे बंद हो जाएंगे। परमेश्वर ने उनके दरवाजों पर लिखा है, "इकाबोद" जिसका अर्थ है "प्रभु का आत्मा चला गया है!" फिर भी, प्रियों, परमेश्वर यही संदेश प्रत्येक मसीही व्यक्ति को देता है। वह कहता है, "यदि तुम पश्चाताप करने से इन्कार करो - यदि तुम अपनी लापरवाही में बने रहो - तो मैं तुम्हारे दीवट को हटा दूंगा। तुम्हारे परिवार पर, तुम्हारे सहयोगियों पर - किसी पर भी तुम्हारा प्रभाव न रहेगा!" इफिसुस की कलीसिया के साथ यही हुआ। परमेश्वर धीरज के साथ इंतजार करता रहा - हजार वर्षों से अधिक समय से, वस्तुतः - उस कलीसिया के पश्चाताप के लिए। फिर भी अंत में वह समय आ गया जब उनका पिछड़ जाना उसके लिए असहनीय हो गया।

इतिहासकार गिबन लिखता है : "इफिसुस का पहला दीवट बुझ चुका था। आयोना और लिडिया के क्रूर अधिपतियों ने मसीहत के अवशेषों को कुचल दिया। केवल फिलदेलफिया की कलीसिया आज भी सीधी खड़ी है।" फिर भी इन वचनों को पढ़ते समय, हमें डरना नहीं है कि परमेश्वर अपने उपदेश को हमारे लिए इस तरह समाप्त करता है : "जो जय पाए, मैं उसे उस जीवन के पेड़ में से जो परमेश्वर के स्वर्गलोक में है, फल खाने को दूंगा" (प्रकाशितवाक्य २:७)।

प्रिय पवित्रजन, यीशु वह जीवन का पेड़ है! वह हमसे कहता है, "यदि तुम पश्चाताप करोगे तो मैं तुम्हें मेरे अपने अस्तित्व से निरंतर जीवन दूंगा। जब तक तुम मुझसे प्रेम करते रहोगे, मैं तुम्हें अलौकिक जीवन की ध ारा दूंगा। यह जीवन तुम्हारे विवेक, लोगों के प्रति तुम्हारे प्रेम, और मेरे राज्य के लिए तुम्हारे भले कामों में प्रगट होगा!" यही गुण प्रत्येक मसीही को जो यीशु से सच्चा प्रेम करता है अलग करता है। ऐसा विश्वासी जीवन से परिपूर्ण है - उसके आसपास का हर

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती २४:१५

"फिर इसहाक ने उस देश में जोता बोया, और उसी वर्ष में सौ गुना फल पाया और यहोवा ने उसको आशीष दी" (उत्पत्ति २६:१२)।

एको ऑफ हिज़ कॉल के द्वारा १९६९ से परमेश्वर हमें साहित्य, सेवकाई और कलीसिया रोपण में इस्तेमाल कर रहा है। हमने प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार प्रचार करने हेतु बड़ी संख्या में अगुवों को भी तैयार किया है।

सन १९८० के दौरान, प्रभु ने बाइबल कोर नामक बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम आरंभ करने में हमारी सहायता की। हमने यह पाठ्यक्रम अंग्रेजी, तमिल और हिंदी भाषा में आयोजित किया अतः हमें पूरे भारत देश से गैरमसीहियों की ओर से भारी मात्रा में प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। हमें रोज़ विद्यार्थियों को बड़ी मात्रा में पाठ्यक्रम की पुस्तकें भेजनी पड़ती हैं। इसलिए प्रभु पर विश्वास करने के द्वारा हमने पाठ्यक्रम के पुस्तकों की करीब ३०००० प्रतियां छापने का ऑर्डर दिया। उसके अनुसार एक सुबह सारी पुस्तकें प्रकाशित हो गई और हमें दी गई।

परंतु हमारे कार्यालय की इमारत का मकान मालिक हमें इन पुस्तकों को हमारे कार्यालय में रखने देने की अनुमति देना नहीं चाहता था क्योंकि मसीही कार्य के विस्तार के विषय में उसे बिल्कुल खुशी नहीं थी। हमने भाड़े पर इन पुस्तकों को रखने के लिए जगह के लिए बहुत लोगों से संपर्क किया। परंतु हमारे सारे प्रयास व्यर्थ हो गए। हम प्रभु से प्रार्थना कर रहे थे कि हमारे लिए एक मार्ग खोले।

अचानक प्रभु ने रामलिंगम नामक एक भाई और मद्रास की उनकी पत्नी सरल सरस्वती को हमारे साथ जोड़ दिया। प्रभु ने हमें प्रेरणा दी कि हम उन्हें बताएं कि इन पाठ्यक्रम की पुस्तकों को सुरक्षित रखने के लिए एक जगह की हमें जरूरत है। परमेश्वर ने उनसे बात की और खुशी के साथ उन्होंने आगे आकर अपने घर में सारी पुस्तकें रखने की हमें अनुमति दी। हम उनके घर जाया करते थे और हमारी आवश्यकता के अनुसार पुस्तकें ले सकते थे। परमेश्वर ने सचमुच उस परिवार को विशेष रीति से आशीषित किया।

आज परमेश्वर ने हमें हमारी स्कूल के लिए इमारत और हमारे बाइबल कॉलेज के लिए हमारी अपनी अलग जगह दी है जहां पर किसी भी संख्या में पुस्तकों को रखने के लिए हमारे पास बहुत सारी जगह है। परमेश्वर ने हमें एक छाप-खाना देकर भी आशीषित किया है जिसके द्वारा हम सुसमाचार के हजारों साहित्य परिचय विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित करते हैं और उन्हें अपने पास रख कर देश के विभिन्न भागों में भेजते हैं। इस प्रकार परमेश्वर ने हमारे आंसुओं को देखा और हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया।

प्रिय पाठक, प्रभु यीशु मसीह आज भी जीवित है। वह आपके जीवन में भी आश्चर्यकर्म कर सकता है। यदि आप अपने जीवन में भारी विपत्ति का सामना कर रहे हैं, तो निराश न हों। आश्चर्यकर्म के लिए उस पर विश्वास करें। आप आशीष पाएंगे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

कोई इस बात को जानता है!

यीशु प्रतिज्ञा करता है कि तुम्हारा भक्तिपूर्ण दुख, तुम्हारा पश्चातापी हृदय और उसके प्रति तुम्हारा नवीकृत प्रेम तुम्हें जीवन की ओर लाएगा। इसलिए इसी समय उससे प्रार्थना करें : "प्रभु, मुझे सच्चा पश्चातापी हृदय दीजिए। मुझे वापस उस स्थान में ले जाईये जैसा मैं उस समय था जब मैं आपसे पहले प्रेम करता था। फिर भी पिता, मुझे आपकी गहराई में ले चलिए, जैसा पहले मैं कभी नहीं था!" जब आप पश्चाताप करेंगे तब परमेश्वर का आत्मा आपमें मसीह की महिमा का नया प्रकाशन उत्पन्न करेगा। आमेन!

एको ऑफ हिज़ कॉल, चेन्नई

WARDEN WANTED

We need a Hindi and English knowing Theologian to work in our Nehemiah Residential Bible College as Warden. Salary, Boarding and Lodging will be provided.

Please contact:
Pr. Sam Selva Raj.
Cell : 98412 71858 / 98410 71858
E.Mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल, चेन्नई

मानद समन्वय की आवश्यकता है

मानद समन्वयकों की आवश्यकता है

दुनिया भर में १७ भाषाओं में प्रकाशित एको ऑफ हिज़ कॉल पढ़कर आपके जैसे हजारों दोस्त बन रहे हैं। अब एको ऑफ हिज़ कॉल में प्रत्येक महीने में सुधार करने हेतु आपकी भाषा में प्रकाशित संदेशों का मूल्यांकन करने के लिए और सुझाव देने के लिए हमें मानद को-ऑर्डिनेटरों (समन्वयकों) की ज़रूरत है।

संपर्क : **Pr. Sam Selva Raj.**
Cell : 98412 71858 / 98410 71858
E.Mail : sam@echoofhiscall.org

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

ECHO OF HIS CALL

Monthly magazines in 16 languages, Bible Colleges, Postal Courses, Church Planting, Village English High School, Gospel Printing Press, Crusades, Seminars, Social Services, etc.

Annual Subscription : Rs. 100/- Life Subscription : Rs. 2000/-

The multifarious activities of **Echo of His Call Ministry** is supported by the free-will offerings and donations of the God's Children like you. You may support **Echo of His Call** and its activities as the Lord leads you. We need your help to send forth the Gospel to the unreached people and plant Churches.

If you would like to receive **ECHO OF HIS CALL** magazines regularly, please write to us. Whenever you change your postal or e-mail addresses, please do inform us your old and new addresses.

Echo of His Call is available in 16 languages in our websites also. You can read it by going into the site as well as downloading it and get blessed.

Your letters, prayer requests and your financial helps (by D.D., Cheque, M.O. etc.) to **ECHO OF HIS CALL** may be sent to the address below.

Please send your **Land Phone / Mobile Phone Numbers and E.mail addresses** for updation.

ECHO OF HIS CALL

10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk,
Chennai - 600 005, India
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858
E-mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.echoofhiscall.com

YOU CAN SEND YOUR DONATIONS ON ONLINE ALSO

AN URGENT GOOD NEWS!

Our Residential

NEHEMIAH BIBLE COLLEGE!!

re opens *from* 01-06-2021

One Year DIPLOMA COURSE!!!

Hindi & English Medium

@

Velachery, Chennai.

EVENING BIBLE COLLEGES

(2 Centres - Tamil Medium)

1. **NEHEMIAH BIBLE COLLEGE,**
   ECHO OF HIS CALL, 10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Bells Road, Chepauk, Chennai - 600 005, India.
2. **ST. PAUL'S COMPLEX,**
   8/18, Velachery Main Road, Santhoshapuram, Vijayanagaram Bus Stop, Medavakkam, Chennai - 600 100.

CONTACT IMMEDIATELY :

Rev. ALEX SAMSON SAM, Director

Cell : 98412 71858 / 98410 71858

E.mail : sam@echoofhiscall.org

The details of our Bank Accounts are given below. Please inform us the details of your remittance.

Bank	Branch	Name	IFSC Code No.	Account Number
1. STATE BANK OF INDIA 2. ICICI BANK	Triplicane, Chennai -5 Anna Salai, Chennai -2	S. Sam Selva Raj Echo of His Call	SBIN 0000249 ICIC 0006038	102329 34679 6038 05022319

Regd. with the RNI under No. 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th MARCH, 2021.
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers** 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**